सं भी विवित्व कि निव्य कि नि

मोर चंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, सब, भौद्योगिक विवाद श्रांधिनयम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिव्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी श्रिधसूचना संव 3(44)84-3 श्रम, दिनांक 18 संभैल, 1984, द्वारा इक्त अधिसूचना की धारा 7 के श्रधीन गटित श्रम न्यायालय, भग्वाला, को विवादशस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिवर्णय एए पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के कीच या तो विवादशस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रयवा सम्बन्धित मामला है :--

क्या आजी जोगिन्द्र सिंह की सेवाओं का समापन प्यायो<mark>चित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो</mark> वह किस <mark>राहतका</mark> रूक के हकदार है ?

संव श्रोव विव/गृह्गांव/185-87/45943.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैंव (1) उपायुक्त, नारनील, जिला महेन्द्रगढ़ (2) नगरपालिका वावल (महेन्द्रगढ़) के श्रीमक श्रीमित सरवती देवी, पत्नी श्री फकीर चन्द मार्फत श्री भीम सिंह युद्धव, 1-्सी/46-ए, एन. श्राई. टी., फरीदाबाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

्रमीर चृंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलियें, श्रव, श्रीद्योगिक विदार प्रधिनियम, 1947 की वारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा, उनत प्रधिनियम की धारा 7-क के प्रधीन गठित भोद्योगिक प्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिद्धित मामले जो कि उनत प्रवत्धकों तथा श्रमिकों के धीच या तो विवादप्रस्त मामला/मामले हैं भ्रवा विवाद से सुसंगत या "म्विन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाद तीन मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं:---

वया श्रीमति सरवती देवी की सेवाभ्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत की हकदार है?

संविधित कि कि कि मैं। कि मैं।

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, मब, घोद्योगिक विवाद मिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुयूं हरियाणा के राज्यपास इसके द्वारा सरकारी मिधिसूचना सं. 3(44)84—3-धम, दिनांक 18 मप्रैल, 1984, द्वारा उक्त मिधिनियम की घारा 7 के मधीन गठित श्रम न्यायालय, मम्बाला, को विवादमस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादमस्त मामला है या विवाद से सुसंगत मध्यता सम्बन्धित मामला है :—

वया श्रीमति विमला की सेवाझों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि महीं, तो वह किस राहत की हकदार है ?

सं बो वि वि /एफ की | 0181-87 | 46149.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं इण्डस्ट्रीयल गेजिज, प्रा विल , प्लाट नं 10/2, राम सखप कालोनी, मजेसर, (फरीदाबाद), के श्रीमक श्री जगदीश चन्द मार्फत श्री ममर मिह शर्मा, केर मुनियन माफिस, एस व्या कि । कि / 14, एन व माई व्ही व, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित सम्बन्ध में कोई भौदोगिक विवाद है;

भौर ्षि इरियाणा के राज्यपान इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसी ए, उद्य भी जोगिज दिवाद अधिनियम, 1947, की श्रास 10 जी उपधारा (1) के उद्य (4) आरा प्रदान जी गई धिन्तियों जा प्रयोग करने इए हरियाणा के राज्यपाल इस के श्रास उद्यन प्रधिनियम की धारा एक दे मधीन गठिल भी धोणिक प्रधिजरण, हरियाणा, फरीदाबाद, की नीचे विनिर्दिष्ट मामने जो कि उक्त प्रबन्धकों नथा श्रमिकों के बीच या तो जिलादयस्त मामला मामने हैं श्रथदा विनाद से मुसगन या सम्बन्धित मामना मामने हैं श्रथदा विनाद से मुसगन या सम्बन्धित मामना मामने हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हुत निर्दिष्ट करते हैं: -

न्या भी अगदीश अन्द ही सेवाओं हा समापन न्यायोधित तथा ठीक हैं ? यदि नहीं, हो यह किस राहत क इस्प्यार है ?

सं भो विष्,रोह्यं 117-87/46156.—चूं कि इरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (1) परिवहन आयुक्त ह्यियाणा, वण्डोस्ट (2) महां प्रबन्दक, हरियाणा राज्य परिलहन, रोहतक, के श्रामिक भी प्रोम प्रकाश, पूछ बी राम भन्द, मकान नं 127/2, राम नगर, टोहाता, जिला हिसार तथा उसके प्रयन्त्रकों के बीच इसमें इसके दाद लिक्सि मामले में कोई मौद्योगिक विवाद है;

भीर चुंकि इस्याणा े राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना यांछनीय समक्षते हैं ;

्सलिये, यय, भौज्योगिक दिवाद मधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के धण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई धित्तयों का अयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी प्रधिसूचना सं 9641-1-धम-78/32573, धिमांच 6 नवस्दर, 1970 के साथ गठित सरकारी प्रधिनियम की धारा 7 के प्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को धिनादयस्य या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हुँतु निविष्ट धरते हैं चौड़ि उत्तर प्रवन्त्रकों तथा श्रमिक के बीच या तो विदादयस्य मामला है या उसत धिनाद से सुसंगत प्रयद्या सम्बन्धित मामला है :—

च्या की श्रोम प्रकास हैस्वर की सेवामों का समापन व्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वसू जिस राह्यत जा कुलार है ?

र्षं वो विव्हारोह् | 115-87 | 46164-- बूंकि हरियाणा के राज्यपान की राय है कि (1) परिव्हान ऋषुत्त, ुरियाणा, पण्डीगढ़, (2) महा प्रदश्वक, राज्य परिवहन, रोद्धक, के श्रमिक श्री राज पान, पूत्र श्री रचवीर सिहं, गांथ बेरी, बहुन्ति द्वार, विव्हा रोद्धक संपा उसके प्रबन्धकों के दीच इसमें इसके बाद निधित मामते में कोई मौद्योगिक विवाद है;

भीर पूंजि पुरिवाणा के राज्यपाल विवास को स्वासनिर्धम हैतृ निर्दिष्ट करना आंधनीय समदाते हैं ;

्सिसिए, मत, मौधोकिन कियार मिधिनियम, 1947, जी बारा 10 ी उपयारा (1) के का (म) द्वारा प्रधान की नई सिद्धार्यों का प्रयोग करते हुए हरियाना के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी मिदिश्वामा सं० 9641-1-धन-78/32573, दिनीन 6 नवस्थर, 1970, के साथ गठित सरकारी मिदिश्वामा की धारा 7 के मेदीन गठित यम न्यायालय, रोट्सप, को विवादस्था या छत्तरे सुसंगत या छत्तरे धन-विवाद की विवाद स्था न्यायालयीय एवं पंचाट तीन मास में देने हेसु विविच्छ करते हैं जो कि उत्तर प्रधानकी की विवाद पर से विवाद से मुख्य मिन के विवाद सरकार है जो कि उत्तर प्रधान से स्थान की वीच या तो विवाद पर नामवाह था उत्तर विवाद से मुख्यत मेपना सम्मिन के वीच या तो विवाद पर नामवाह था उत्तर विवाद से मुख्यत मेपना सम्मिन है :---

्या भी राज्यात हैलर की सेवाधों का समापन न्यामोदित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो यह किस राहत का इक्सर है ?

दिनांक 18 नथम्पर, 1987

सं० मो० वि०/कुरकोळ '43-87/46396.—चुकि हरियाणा है राज्यसान हो राय है कि मै० (1) मैनेटिंग डायरेक्टर दी दूरियाणा स्टंट कोपरेटिव हाऊसंग फाईतेन्स लि०, कोठी न० 217, सैक्टर 9 सी, चण्डीगढ । (2) सहस्वक विकास मधिकारी कोपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटो लिए, कोठी न० 1110, हाऊसिंग बोर्ड, कृरकों के अमिस भी संग्यन कुमार मार्फेंस जो सिट्, गिल् भारतीय मजदूर संघ, बीर टी० रोड़, यानीपत तथा उससे अवन्यकों के मध्य इस में इसके दाय िरिट्स मामारे में जोई मीदोगिक विवाद है;

मीर चूंकि इरियाणा है राज्यपास इस विदाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट शरना श्रांछनीय समृत्ये

इसलिए, मब, भौधोगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, अम्बाला, को विवादशस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिणंय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त अबन्धकों नया अधिक के बीच या तो विवादशस्त भामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री सज्जन कुमार की सेवाब्रों का समापन भ्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं श्रो वि । परिवहन ग्रायुक्त, हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (1) परिवहन ग्रायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़, (2) महा प्रबन्धक, हरियाणा राज्य परिवहन, गुड़गांव, के श्रीमक श्री सोमदत्त हनवाई मार्फत श्री एस. एन. वत्स गली, डाकखाना रोहतक तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रोद्योगिक विवाद है ;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, प्रव, शौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रशेष करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की घारा 7-क के ग्रधीन गठित ग्रोद्योगिक ग्रिधिकरण, इरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं स्थायनिर्णय एवं पंच 2 3 मास में देने हेतू निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री सोमदत्त हलवाई की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत की हकदार है?

म्रार० एस० मग्रवाल,

उप सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग ।

DEVELOPMENT AND PANCHAYAT DEPARTMENT

The 16th December, 1987

No. DPH-LA-1-87/411.—In partial modification of Haryana Government Development and Panchayats Department, Notification No. DPH-E1-83/130, dated 31st May, 1983 and in exercise of the pewers conferred by sub-section (1) and (2) of section 4 and section 5 of the Punjab Gram Panchayat Act, 1952 (Punjab Act 4 of 1953) and all other powers enabling him in this behalf, and in supersession of all the previous notifications issued in this behalf, the Governor of Haryana hereby declares the village or group of villages specified in column 2 of the schedule given below to be Sabha Area by the name specified against in column 5 of the said schedule, which shall consist of such number of Panches, [including Sarpanch, as specified against the Gram Panchayat in column 6 thereof out of which the number of Panches belonging to the scheduled castes shall be as mentioned in column 7 of the said scheduled:—

SCHEDULE

Sr. No.	Name(s) of village(s) constituting Sabha Area	Block	Distri ct	Name of Gram Panchayats	No. of Panches including Sarpanch	No. of Panches belonging to S/C
1	2	3	4	5	6	7
204	Mathana	Thanesar	Kurukshetra	Mathana	8	2
204A	Maneerpur	Thanesar	Kurukshetra	Man ee rpur	5	1